ज़रा सोचें...

जो तुमको हो पसंद वो ही बात करेंगे...

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

कुछ कहानियां आपने पढ़ी होंगी, बाबा भी मुरली में कहते हैं, लैला-मजनू की बातें करते हैं। ऐसी कई कहानियां बाबा कहते हैं कि भल उनका दैहिक प्यार है, नामरूप से प्यार है पर विकार उन्हों में नहीं है। वो आत्माओं की बात है पर संगमयुग में ऐसा शुद्ध प्यार आत्माओं से भी नहीं हमें जोड़ना है। क्योंकि अभी परमात्मा बाप आये हैं और उनसे हमने सर्व संबंध जोड़े हैं इसलिए रूहानी पवित्र प्यार आत्माओं से करना नहीं है। हाँ हमारा सारे विश्व से प्यार है, सभी रूहानी आत्माओं से प्यार है, सभी आत्माओं से रूहानी प्यार है, शुभ भावनायें हैं क्योंकि सभी आत्मायें बाबा के बच्चे हैं। पर हमारे दिल का जिगरी प्यार, हमारे मन-बुद्धि का संबंध, हमारे जीवन का सौदा अभी एक बाबा से, तभी हम योगी कहे जायेंगे। नहीं तो योगी नहीं कहे जायेंगे। इसलिए ये चीज़ हमें बहुत पक्की करनी है और इस बात में सदा हमें सावधान रहना है और अपने आपको अटेन्शन में रखना है नहीं तो बाबा कहते हैं ना कि सारा किया करा पुरुषार्थ ज़ीरो हो जाता है।

देहधारी में बुद्धि जाने से उसी घड़ी हम बिल्कुल नीचे चले जाते हैं, रसातल में चले जाते हैं, चट खाते में चले जाते हैं ऐसे बाबा बड़ी कड़ी शिक्षा हमें देते रहते हैं। बाबा कहते हैं ना चढ़े तो चाखे वैकुण्ठ रस गिरे तो चकनाचूर। तो ये शुरुआत बुद्धि से गिरने की होती है। बुद्धि से गिरने की होती है इसलिए मैंने ये शब्द यूज़ किया कि हम सभी भी पुरुषार्थी हैं। सम्पूर्ण आत्मभिमानी नहीं हैं, पुरुषार्थी हैं। पवित्र हैं नहीं,सम्पूर्ण निर्विकारी नहीं हैं हम बनने का पुरुषार्थ कर रहे हैं। इसलिए ऐसी पुरुषार्थी आत्माओं से, या लौकिक अज्ञानी आत्मा कोई भी आत्मा में हमारी नज़र डूबनी नहीं चाहिए। हमारी बुद्धि अटकनी नहीं चाहिए। इसलिए दादी भी पक्का कराते रहते हैं कि मेरा बाबा प्यारा बाबा मीठा बाबा। तो ये हर घड़ी बाबा-बाबा हमारे दिल से उठते रहना चाहिए और अब खास जबकि सत्य मिल चुका है, सम्पूर्ण ज्ञानी आत्मा हम बन चुके हैं तो अब अगर आगे बढ़ना है, उड़ना है, सिद्धि स्वरूप बनना है तो अब बस बाबा से प्यार, लगन, समर्पण अनन्य भाव बस ये ही हमारा पुरुषार्थ है, साधना है। जिनको भगवान से प्यार है तो प्यार में उनके जैसा बनते जाना सहज हो जाता है। दादियां कहती हैं ना अपने अनुभव में कि हम तो प्यार-प्यार में बाबा जैसा बन गए, हमें कोई मेहनत नहीं लगी, हमें कोई प्लानिंग नहीं करनी पड़ी। बस उस प्यार ने सम्पूर्ण बना दिया, तो जब प्यारे बाबा ने हमें स्वीकार कर लिया। बाबा ने कहा ना कि तुम जो हो, जैसे हो, क्या कहा है मेरे हो। देखो ऐसा कोई कहता है? भल दुनिया में सम्बन्ध जोड़ भी देते हैं समाज के कारण, परिवार के बुजुर्गों के कारण सम्बन्ध जोड़ भी देते हैं, साथ रहते भी हैं पर जो हैं जैसे हैं दिल से स्वीकार नहीं कर पाते। इसलिए टकराव होते हैं, घृणा, नफरत होती है। एक-दो से लड़ाई-झगड़े होते हैं। बहन का मन किसी और में, भाई का मन किसी और में। ये हालात क्यों हैं आज! क्योंकि एक-दो से सम्बन्ध जोड़ने के बाद, समाज के सामने सम्बन्ध स्वीकार करने के बाद भी एक-दो को दिल से स्वीकार नहीं कर पाते। बाबा ने जो परम है, ऊँचे ते ऊँचा है उस बाबा ने हम आत्माओं को स्वीकार कर लिया। हम तो बाबा को स्वीकार करेंगे ना क्योंकि वो तो परम है, सम्पूर्ण है, न स्वीकारने जैसे उसमें कोई बात ही नहीं है। न स्वीकारने जैसे तो हम हैं। पर बाबा ने हमें स्वीकार कर लिया है। लेकिन अब बाबा हमें कहते हैं कि अगर सच्चा प्यार है तो जैसा मैं कहता हूँ ऐसे बनते जाओ। ठीक है तुम जो हो, जैसे हो मेरे हो। पर अब मैं जो सिखाता हूँ, मैं जो कहता हूँ वैसा बनते जाओ। तो हैं ना तैयारी सबकी! ये सौदा मंजूर है सबको? कि बाबा जैसा चाहते हैं वैसा हम बनते जायेंगे।

> बाबा ने कहा ना कि तुम जो हो, जैसे हो, क्या कहा है मेरे हो। देखो ऐसा कोई कहता है? भल दुनिया में सम्बन्ध जोड़ भी देते हैं समाज के कारण, परिवार के बुजुर्गों के कारण सम्बन्ध जोड़ भी देते हैं, साथ रहते भी हैं पर जो हैं जैसे हैं दिल से स्वीकार नहीं कर पाते।

दुनिया में भी गीत गाते हैं ना कि जो तुमको हो पसंद वो ही बात करेंगे। वो ही सोचेंगे, वो ही कर्म हम करेंगे। ये हमारा बाबा से प्यार-प्यार में प्रॉमिस है कि बाबा आपको जो पसंद है वो ही चिंतन हम करेंगे। जो आपको पसंद है वो ही ज्ञान रत्नों की लेन-देन हम अपने इस मुख से करेंगे। जो आपकी श्रीमत पर है उसी पर हमारे कदम चलेंगे। ये है आशिकों का काम। बाबा ने कहा न इसलिए तुम भगवान नहीं कहते हो बाबा कहते हो। क्योंकि बाबा कहने में सम्बन्ध,प्यार की बात अनुभव होती है। और आशिक बनना माना जिगरी चाहना वो जो कहे ऐसे करते जाना। हमें थोड़ा भी इधर-उधर नहीं होना है। और जो बाबा को नहीं पसंद, वो मुझे नहीं करना है। हम देहधारी को याद करें वो बाबा को पसंद नहीं है। तो हम भी बाबा को प्रॉमिस करते हैं कि बाबा जो आपको पसंद नहीं है वो हम भी नहीं करेंगे। हम भी आपके कदम पर कदम रखते हुए जीवन को चलायेंगे तो ये प्रैक्टिकल ऐसा करना माना तब माना जायेगा कि मेरा बाबा सही अर्थ में हमने कहा। मेरे सर्व सम्बन्ध बाबा से ये तब सही माना जायेगा।

फतेहपुर-उ.प्र.। सांसद साध्वी निरंजन ज्योति जी से ब्र.कु. सीता बहन व ब्र.कु. दिव्या बहन ने मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट की।

सासाराम-बिहार। ग्रुप कमांडर एनसीसी ब्रिगेडियर नितीश बिष्ट को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. बबिता बहन। साथ हैं डायरेक्टर संतोष कुमार एवं एनसीसी के कमांडर ग्रुप।

भादरा-राज.। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण करने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. चंद्रकांता बहन, राजेश मीणा तहसीलदार, रणवीर सिंह थाना अधिकारी, सतीश शर्मा सेवानिवृत्त सहायक अभियंता बिजली विभाग, संजय सराफ चेयरमैन मेपल स्कूल, अशोक कुमार वन्यजीव व पर्यावरण मित्र, पवन शर्मा सेवानिवृत्त वरिष्ठ अध्यापक व साहित्यकार, विजय सिंह वरिष्ठ लेखपाल राजकीय चिकित्सा तथा सुरेश महिपाल प्रोपराइटर लक्ष्मी ऑयल कंपनी।

टोहाना-हरियाणा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रेलवे रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आयोजित संगोष्ठी में सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता मनीष शर्मा, दुर्गा महिला महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रणधीर सिंह, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कुसुम गुप्ता, ब्र.कु. वंदना बहन, कौशल्या बहन, रामलाल पाहवा, देवेंद्र, मनीष, कृष्ण लाल, सुरेश भुटानी, संजीव पाहवा, राज बहन, मधु भाटिया व बृजेश पाहवा आदि उपस्थित रहे।

फतेहपुर-उ.प्र.। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जिला कारागार में कैदियों को नशा मुक्ति संदेश देने के पश्चात् जेल अधीक्षक मो. अकरम खान को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. दिव्या बहन। साथ हैं ब्र.कु. स्वाति बहन, ब्र.कु. कामिनी बहन तथा अन्य।

सूरतगढ़-राज.। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए बी.डी.ओ. ऋषिराज मीणा, सैन्टा किड्स स्कूल की प्रिंसिपल ज्योति मुंजाल, मानव सेवा समिति के संस्थापक देवचन्द दैया, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी दीदी, ब्र.कु. पुष्पा बहन तथा अन्य।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
Name: OM SHANTI MEDIA
Pay Directly to: mediabkm@indianbk
BHIM UPI
BHARAT INTERFACE FOR MONEY UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

For Online Transfer
BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan, Talhati
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
ACCOUNT NO:- 7482096871,
IFSC - CODE:- IDIB000S319
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये
Website: www.omshantimedia.org